Receiving Blood or Blood Products

Human blood is made up of fluid called **plasma** that contains **red blood cells**, **white blood cells** and **platelets**. Each part of the blood has a special purpose. A person may be given blood or only the parts of the blood needed, called blood products.

Blood products include:

- **Plasma**
  This is the liquid part of the blood. It is often used to add volume to the blood system after a large loss of blood. **Cryoprecipitate** is a concentrated source of certain plasma proteins. It is used to treat some bleeding problems.
- **Red blood cells**
  These carry oxygen from the lungs to other parts of the body and then they carry carbon dioxide back to the lungs. A low red blood cell count is called anemia. A red blood cell transfusion may be needed to treat anemia.
- **White blood cells**
  These help fight infection, bacteria and other substances that enter the body. When the white blood cell count becomes too low, it is called Neutropenia. A white blood cell transfusion may be needed to treat Neutropenia.
- **Platelets**
  These help blood to clot. Platelet transfusions are given when the platelet count is too low.

Your Transfusion

A transfusion is the process of giving blood products through an intravenous (IV) catheter. You and your doctor will decide if you need blood or blood products to correct a problem.

Before your transfusion, a sample of your blood will be taken to find your blood type to match it with the donor blood. This is called **cross matching**. It is done to decrease the chance of a reaction. **Talk to your doctor if you have ever had a reaction or an allergy to any blood product.**

रक्त और रक्त के अवयव प्राप्त करना

मनुष्य का रक्त **प्लाज़्मा** नामक द्रव से बनता है जिसमें **लाल रक्त कोशिकाएं, सफेद रक्त कोशिकाएं** और **बिम्बाणु** होते हैं। रक्त के प्रत्येक हिस्से का एक विशेष उद्देश्य होता है। किसी व्यक्ति को रक्त या सिर्फ रक्त के आवश्यक हिस्से, जिन्हें रक्त के अवयव कहा जाता है, दिए जा सकते हैं।

रक्त के अवयवों में निम्न शामिल हैं :

- **प्लाज़्मा**
  यह रक्त का द्रव वाला हिस्सा होता है। इसका प्रयोग प्रायः बहुत अधिक रक्त बह जाने के बाद रक्त प्रणाली की मात्रा बढ़ाने के लिए किया जाता है। **क्रायोप्रेसीपिटेट** कुछ खास प्लाज़्मा प्रोटीनों का एक सांद्र स्रोत होता है। इसका प्रयोग खून बहने की कुछ समस्याओं का उपचार करने के लिए किया जाता है।
- **लाल रक्त कोशिकाएं**
  ये ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के अन्य हिस्सों तक ले जाती हैं और फिर कार्बन डाइऑक्साइड को फेफड़ों में लाती हैं। लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी आने को रक्ताल्पता (एनीमिया) कहा जाता है। रक्ताल्पता का उपचार करने के लिए लाल रक्त कोशिकाएं दिए जाने की आवश्यकता हो सकती है।
- **सफेद रक्त कोशिकाएं**
  ये संक्रमण, और शरीर में प्रवेश करने वाले बैक्टीरिया तथा अन्य पदार्थों से लड़ने में सहायता करती हैं। जब सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बहुत कम हो जाती है तो इसे न्यूट्रोपेनिया कहा जाता है। न्यूट्रोपेनिया का उपचार करने के लिए सफेद रक्त कोशिकाएं दिए जाने की आवश्यकता हो सकती है।
- **बिम्बाणु**
  ये रक्त के जमने में मदद करते हैं। बिम्बाणुओं की संख्या बहुत कम हो जाने पर बिम्बाण दिए जाते हैं।

आपका रक्ताघान

अंतःशिरा (आईवी) नलिका के माध्यम से रक्त के अवयव प्रदान करने की प्रक्रिया को रक्ताघान यानी रक्त दिया जाना कहते हैं। आप और आपका डॉक्टर यह निर्णय करेंगे कि किसी समस्या को ठीक करने के लिए आपको रक्त या रक्त के अवयवों की आवश्यकता है या नहीं।

आपको रक्त दिए जाने से पहले, यह पता लगाने के लिए आपके रक्त का एक नमूना लिया जाएगा कि आपके रक्त का प्रकार दाता के रक्त प्रकार से मिलता है या नहीं। इसे **परस्पर मिलान** कहा जाता है। प्रतिक्रिया होने के संयोग को कम करने के लिए ऐसा किया जाता है। **यदि आपको पहले कभी रक्त के किसी अवयव से प्रतिक्रिया या एलर्जी हुई हो तो अपने डॉक्टर से बात करें।**

Signs of a Reaction

Although the blood is carefully matched to your blood type, a reaction may occur. Reactions happen in very few people who get blood products. If a reaction occurs, it can be treated. Most reactions occur while you are receiving the blood or blood product or shortly thereafter. The signs of a reaction include:

- Hives or itchy skin
- A fever
- Chills
- Dizziness
- Chest pain or ache
- Shortness of breath
- Back pain
- Pain at the transfusion site

During a Transfusion

The blood will be given through a filter in a tube that is attached to an intravenous (IV) catheter in your vein. A transfusion can take up to four hours. You will be checked often to watch for a reaction or other problem. Your temperature, pulse and blood pressure will be checked. **Tell your nurse right away** if you have any signs of a reaction during your transfusion.

After You Go Home

Call your doctor right away if you have any signs of a reaction at home after your transfusion. In rare cases, reactions occur days or weeks after a transfusion. **Call your doctor right away** if you have any of these signs:

- Dark urine
- Yellowing of the skin or whites of the eyes
- Fever, cough, runny nose or muscle pain

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

11/2007. Developed through a partnership of Mount Carmel Health, Ohio State University Medical Center, and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**

प्रतिक्रिया के लक्षण

हालांकि रक्त का सावधानीपूर्वक आपके रक्त प्रकार के साथ मिलान किया जाता है, पर तब भी प्रतिक्रिया हो सकती है। रक्त के अवयव पाने वाले बहुत कम लोगों में प्रतिक्रिया होती है। यदि प्रतिक्रिया हो, तो इसका उपचार किया जा सकता है। अधिकांश प्रतिक्रियाएं रक्त या रक्त के अवयव प्राप्त करते समय या इसके कुछ देर बाद होती हैं। प्रतिक्रिया के लक्षणों में निम्न शामिल हैं :

- त्वचा में मधुमक्खी के छत्ते जैसी सिकुड़नें पड़ना या खुजली होना
- बुखार आना
- ठंड लगना
- चक्कर आना
- सीने में दर्द या ऐंठन
- सांस फूलना
- पीठ दर्द
- रक्ताघान वाले स्थान पर दर्द होना

रक्ताघान के दौरान

आपकी शिरा में डाली गई एक अंतःशिरा (आईवी) नलिका से जुड़ी फिल्टर लगी एक नलिका के माध्यम से रक्त दिया जाएगा। रक्ताधान में चार घंटे तक लग सकते हैं। प्रतिक्रिया या अन्य समस्या के लिए बीच–बीच में आपकी जांच की जाएगी। आपके तापमान, नाड़ी और रक्तचाप की जांच की जाएगी। यदि रक्ताधान के दौरान आपको प्रतिक्रिया के कोई भी लक्षण महसूस हों, तो **तुरंत अपनी नर्स को बताएं।**

घर जाने के बाद

यदि अपने रक्ताधान के बाद घर लौट आने पर आपको प्रतिक्रिया के कोई भी लक्षण महसूस हों तो **तुरंत अपने डॉक्टर को फोन करें।** विरल मामलों में, रक्ताघान के कुछ दिनों या सप्ताहों के बाद प्रतिक्रिया होती है। यदि आपको निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो **तुरंत अपने डॉक्टर को फोन करें** :

- गहरे रंग का मूत्र आना
- त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का रंग पीला पड़ना
- बुखार, खांसी, नाक बहना या मांसपेशियों में दर्द होना

यदि आपके कोई सवाल या चिंताएं हों तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।

11/2007. Developed through a partnership of Mount Carmel Health, Ohio State University Medical Center, and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**.